



सिनसिनाटी आर्ट म्यूजियम में 16 वीं सदी का एक साधारण सा दिखने वाला कांसे का दर्पण है, जिसे प्रकाश की विशेष स्थिति में रखने पर इससे परावर्तित प्रकाश की किरणों से दीवार पर भगवान बुद्ध की छवि बनती है। यह जादुई दर्पण 23 जुलाई 2022 से म्यूजियम में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित है। वर्ष 2021 में म्यूजियम संग्रह के प्राचीन आर्ट वर्क पर रिसर्च करते हुए ईस्ट एशियन आर्ट के क्यूरेटर डॉ. होऊ-मेई सुंग ने यह खोज की। कांच के निर्माण से पहले लोग पॉलिश किए हुए कांसे से बने आइने में अपना अक्स देखते थे। यह तकनीक प्राचीन मिस्र से लेकर सिंधु घाटी तक हर जगह मिली है। इन दर्पणों को "मैजिक," "ट्रांसपैरेंट" (पारदर्शी) या "लाइट पैनिट्रेटिंग मिरर" के नाम से जाना जाता था। इस प्रकार की कलाकृतियाँ सबसे पहले चीन में हान साम्राज्य (202 ईसा पूर्व -220 ईस्वी) के दौरान बनाई गई थीं। जब इन आइनों पर प्रकाश की किरणें पड़ती हैं, तो वे पारदर्शी लगने लगते हैं और इनपर बनी डिजाइन या अक्षर दिखाई देने लगते हैं। सुंग ने कहा, यह चीन के लिए राष्ट्रीय खजाना है और हम बेहद भाग्यशाली हैं जो इस दुर्लभ कलाकृति को ढूँढ पाए और जो सिनसिनाटी में प्रदर्शित है। यह दर्पण कई दशकों से म्यूजियम के ईस्ट एशियन संग्रह में रखा था, सदियों से जिसे किसी ने छुआ नहीं था। म्यूजियम के दर्पण के अग्र भाग को पॉलिश किया हुआ है, जिससे प्रकाश परावर्तित होता है। इसके पीछे छः चांदनीज अक्षरों में "अमिताभ बुद्ध" लिखा है। प्राचीन मैजिक मिरर का निर्माण बहुत कठिन है और ये बहुत दुर्लभ हैं। शंघाई म्यूजियम के हान साम्राज्य के मैजिक मिरर के अलावा इस तरह के दो और बौद्ध मैजिक मिरर के बारे में जानकारी है। एक टोक्यो नेशनल म्यूजियम में और दूसरा मैट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में। ये दोनों जापानी मिरर हैं जो एडो काल (1603-1867) में बने थे। सुंग का मत है कि सिनसिनाटी में जो मिरर है वह प्राचीन चीन में बना था। हालांकि यह मिरर कैसे काम करता है यह तो समझ में आ गया पर उस काल में कारीगरों ने लाइट पैनिट्रेशन का इफेक्ट कैसे हासिल किया, यह पता नहीं है।

कोलकाता में बड़ा आयकर छाप

नई दिल्ली 31 अगस्त (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दो प्रमुख रियल एस्टेट समूहों पर की गयी छापेमारी में 250 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है। आयकर विभाग ने आज यहाँ जारी बयान में बताया कि 18 अगस्त को यह कार्रवाई की गयी। तलाशी अभियान के दौरान, दस्तावेजों और डिजिटल डाटा सहित बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सबूत मिले, जिन्हें जब कर लिया गया है। इस दौरान बहीखातों के बाहर नकद लेनदेन और नकदी की रसीदों के सबूत मिले हैं। कई दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डाटा से शेल कंपनियों के माध्यम से अघोषित पैसे की रकमिंग के संकेत मिले हैं। इसके अलावा, तलाशी के दौरान अघोषित धनराशि के जमीन के अधिग्रहण में इस्तेमाल किए जाने के भी कुछ प्रमाण मिले हैं।

राडिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कि उसने सम्पूर्ण राडिया टेप 2012 में ही नष्ट कर दिये थे।

ऐसी प्रबल संभालना है कि यह प्रकरण न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बैंच के समक्ष प्रस्तुत होगा, जिसके अन्य दो जज हैं-न्यायमूर्ति हिमा कोहली तथा पी. श्री नरसिम्हा। इसके अतिरिक्त 2011 में एक्टिविस्ट एडवोकेट प्रशांत भूषण द्वारा एन.जी.ओ. "सेन्टर फॉर पब्लिक इंस्ट्रस्ट लिटिगेशन" (सी.पी.आई.एल.) की ओर से दायर की एक अन्य याचिका भी सूचीबद्ध है, जिसमें टाटा की बात का विरोध करते हुये, निरान्त निजी वार्तालापों के अलावा, पूरे राडियों टेप के प्रकाशन की मांग की गई है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिकों की निजता का अधिकार सुनिश्चित हो सके।

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय कॉरपोरेट लॉबीईस्ट नीरा राडिया के फोन टेप किए थे। उसके बाद से उसने अपना काम बंद कर दिया और किसी को भी नहीं पता कि वह कहाँ है। उसके फोन कॉल्स में क्या था कभी पता नहीं चलता पर एक मैगजीन में फोन कॉल्स के कुछ अंश छाप गए उसके बाद टाटा ने नागरिक की निजता में मनमानी घुसपैठ को रोकने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। इन अंशों से पता चलता सुझा एजेंसियों नागरिकों की निजता का उल्लंघन कर रही हैं और यह भी पता चला कि कॉरपोरेट बिजनेसकिस प्रकार से होता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आधी रात को ईदगाह मैदान में गणेश पाण्डाल स्थापित करने की अनुमति दी

कर्नाटक सरकार ने ईदगाह मैदान में स्थापित गणेश पूजा पाण्डालों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था दी है

बैंगलूर, 31 अगस्त। कर्नाटक के हुबली ईदगाह मैदान में गणेश चतुर्थी समारोह मनाया जा रहा है, दूसरे समुदाय के लोगों ने इस स्थान पर इस तरह के आयोजन के प्रति असंतोष जताया है। आयोजन की अनुमति देने वाले हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

ताजा घटनाक्रम में अंजुमन इस्लाम ने हुबली के ईदगाह मैदान में उत्सव की अनुमति देने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेशों पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

गौरतलब है कि मंगलवार को देर रात हुई सुनवाई में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने धारवाड़ नगर आयुक्त के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें

■ ताजा घटनाक्रम में अंजुमन इस्लाम समिति ने हुबली के ईदगाह मैदान में उत्सव की अनुमति देने वाले कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेशों पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

■ गौरतलब है कि मंगलवार को देर रात हुई सुनवाई में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने धारवाड़ नगर आयुक्त के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें शहर के ईदगाह मैदान में गणेश चतुर्थी उत्सव आयोजित करने की अनुमति दी गई थी।

शहर के ईदगाह मैदान में गणेश चतुर्थी उत्सव आयोजित करने की अनुमति दी गई थी। अनुमति दिए जाने के एक दिन बाद हिंदू नेताओं ने बुधवार सुबह हुबली के ईदगाह मैदान में गणेश की मूर्ति भी

स्थापित कर दी है। न्यायालय से अनुमति मिलने के कुछ घंटे बाद ईदगाह मैदान में कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को गणेशोत्सव की शुरुआत की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीमत् सेना प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने अपने समर्थकों के

आनंद शर्मा, हुड्डा और पृथ्वीराज चव्हाण ने दिल्ली में आज़ाद से मुलाकात की

तीनों नेताओं ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है, लेकिन माना जा रहा है कि, आने वाले समय में कांग्रेस के बागी नेता पार्टी के लिए और बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकते हैं

नई दिल्ली, 31 अगस्त। कांग्रेस का बागी जी-23 समूह पार्टी के लिए आने वाले दिनों में और बड़ी मुश्किलें खड़ी करेगा । अब यह बात तय हो गयी है। बीते सप्ताह वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस छोड़ दी थी, लेकिन अब यह आग बढ़ती दिख रही है। मंगलवार को पार्टी के सीनियर नेता आनंद शर्मा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और पृथ्वीराज चव्हाण ने गुलाम नबी आजाद से दिल्ली में मुलाकात की।

जी-23 या ग्रुप ऑफ 23 कांग्रेस में बागी नेताओं का एक समूह है जो लम्बे समय से कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन की मांग करता आ रहा है। ये सभी नेता उस जी-23 का हिस्सा हैं, जिन्होंने सोनिया गांधी को पार्टी में सुधार के लिए पत्र लिखा था। उस लेटर के बाद से ही यह नेताओं को पार्टी में अनदेखी हो रही है। पिछले दिनों आनंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश चुनाव संचालन समिति

■ गौरतलब है कि, पिछले दिनों आनंद शर्मा ने भी कड़ा तेवर दिखाते हुये उनकी अनदेखी किये जाने का आरोप लगाते हुये हिमाचल प्रदेश कांग्रेस चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, इन तीनों नेताओं ने मुलाकात के बाद कहा कि, वे गुलाम नबी आजाद के पुराने मित्र हैं और यह मीटिंग औपचारिक थी। लेकिन कयास जरूर लगने शुरू हो गये हैं कि, आने वाले दिनों में कांग्रेस में हलचल और तेज होगी।

दरअसल, हरियाणा में कांग्रेस ने भूपिंदर सिंह हुड्डा को कमान दी है। करीबी उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है और उनकी विरोधी कही जाने वाली कुमारी शैलजा को पद से हटाया गया है। उसके बाद भी हुड्डा का आजाद के खेमे में रहना कांग्रेस को अलर्ट करने वाला है। इसके अलावा जी-23 का ही हिस्सा कहे जाने वाले

शशि थरूर भी अलग ही सुर में दिख रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना चाहिए और जितने ज्यादा उम्मीदवार होंगे, उतना ही बेहतर होगा। उनके स्टैंड से यह चर्चा शुरू हो गई है कि वह भी अध्यक्ष पद के चुनाव में उतर सकते हैं। साफ है कि जी-23 समूह पार्टी के अंदर और बाहर दोनों तरफ से मुश्किल बढ़ा रहा है।

गुलाम नबी आजाद से मुलाकात के बाद कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि पार्टी ने अपने रवैये में बदलाव नहीं किया। इसी के चलते आजाद साहब को पार्टी से अलग होने का फैसला लेना पड़ा। इस बीच जी-23 के कुछ और नेता अनौपचारिक मीटिंग कर रहे हैं और

जल्दी ही उनकी ओर से भी कुछ ऐलान किया जा सकता है। इन नेताओं के साथ शशि थरूर भी आ सकते हैं, जिनके बारे में चर्चा है कि पार्टी अध्यक्ष के लिए वह चुनाव लड़ सकते हैं। साफ है कि कांग्रेस की मुश्किलें आने वाले दिनों में बागी बढ़ा सकते हैं। यही नहीं गुलाम नबी आजाद ने जो संकट जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के सामने खड़ा किया है, वैसे ही चुनौती हिमाचल प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में भी सामने आ सकती है।

तृणमूल कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) संबंधियों के पास 162 परिस्मृतिचिह्न हैं, जो पूरे राज्य में फैली हुई हैं।

स्वयं अनुव्रत की पुत्री के पास करीब 19 सम्प्रतिचिह्न हैं, जो कोलकाता के श्रेष्ठ इलाकों तथा विभिन्न जिला-मुख्यालयों पर स्थित हैं। इन लोगों में से किसी के पास भी आय के ऐसे स्रोत शायद ही हों, जो उनकी सम्प्रति के वैध होने के दावों से मेल खाते हों। सी.बी.आई. 37 सम्प्रतिचिह्न को भी चिन्हित करने की कोशिश कर रही है, जिन्हें आरोपी आपराधिक गतिविधियों के संचालन के लिये काम में लेते हों।

इस प्रकार के मामलों का रोजाना हो रहा खुलासा मुख्यमंत्री के साथ ही, तृणमूल के उन वरिष्ठ नेताओं के लिये बहुत ही शर्मनाक बात है, जो हर तरफ से आ रहे जाँच संबंधी प्रश्नों का सामना कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने शुरू में तो आरोपियों से अपने हाथ झाड़ लिये थे। उन्होंने स्वयं को तथा पार्टी को पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी से पूरी तरह अलग कर लेने की कोशिश की थी। इसके बाद, जब अनुव्रत मण्डल को सी.बी.आई. ने गिरफ्तार किया, तो उसको बचाने की कोशिश उन्होंने की थी।

पार्थ चटर्जी तथा अनुव्रत मण्डल के प्रति उनके अलग-अलग रूख को लेकर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। यह बात खुले तौर पर चर्चा में थी कि इन दिनों, पैसा कमाने की उनकी कोशिशों के मामले में, अनुव्रत मण्डल, ममता बनर्जी के ज्यादा करब था।

तृणमूल कांग्रेस अनिश्चितताएं करने के मामले में बहुत दुस्साहसी हो गई है तथा उसका मानना है कि राजनैतिक आदेश उन्हें बचा लेगा। लेकिन इस समय, जिस हद तक पैसा बनाने की बात जनता के सामने आ रही है, उससे उनकी सारी गणनाएं गड़बड़ा रही हैं।

दालें 8...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) रु. का वित्तीय भार पड़ेगा। ये दालें उस भंडार से दी जा रही हैं जो प्राइस सपोर्ट स्कीम तथा प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड के तहत खरीदा गया था। राज्यों को यह पेशकश इसलिये की गई है ताकि वे कल्याणकारी योजनाओं के तहत इनका उपयोग कर सकें, जिनमें इसके साथ उपलब्ध 30.55 टन की पी.डी.एस. भी शामिल है। केन्द्र ने कहा है कि आगामी रबी की फसल में दालों की अच्छी पैदावार की उम्मीद है। 2022-23 के दौरान मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.सी.) पहले से ज्यादा रखा गया है।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि किसानों को दालों की लाभकारी कीमत मिलेगी, जिससे वे इनकी खेती में और ज्यादा निवेश करके, दालें उगाने के लिये प्रेरित - प्रोत्साहित होंगे। सूत्रों ने कहा कि इससे देश को दालों के मामले में आत्म-निर्भर होने में मदद मिलेगी।

के.सी.आर. बिहार में और केजरीवाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) किन्हीं भी अन्धे एवं उपयोगी विचारों, जो जनता के लाभ एवं हित में हैं, को किसी से भी ग्रहण करने में संकोच नहीं करते हैं। अभी जब स्टालिन दिल्ली गये थे तो वहाँ से उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूलों के पीछे निहित विचार को समझा। उन्होंने यह भी देखा कि ये स्कूल कैसे संचालित किये जा रहे हैं। और उन्होंने तमिलनाडू में ऐसा ही करने का विचार बना लिया।

यही कारण है कि उन्होंने केजरीवाल को तमिलनाडू में आमंत्रित किया है ताकि वे राज्य सरकार के शैक्षिक प्रयासों को देखें, जिससे तमिलनाडू के स्कूली शिक्षा तंत्र को और बेहतर बनाया जा सके। स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिये उन्हें केजरीवाल से बेहतर व्यक्ति कौन मिल सकता है जिनके सरकारी स्कूल शिक्षा कार्यक्रम को खुली प्रशंसा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने मुख पृष्ठ पर प्रकाशित की हो।

5 सितम्बर, शिक्षक दिवस को, केजरीवाल स्टालिन के साथ 26 स्कूल्स एवं एक्ससीलेंस तथा 15 मॉडल स्कूलों

का उद्घाटन करेंगे। पुतुमाई पैन पिट्टम (बालिकाओं के लिये नवाचार प्रोजेक्ट), 26 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस तथा 15 मॉडल स्कूलों, जो पूरे राज्य में फैले हुये हैं, के उद्घाटन के लिये केजरीवाल को आमंत्रित करने के लिये, तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने अपने शिक्षा मंत्री एनबिल महेश को केजरीवाल के आवास पर भेजा है।

एक राजनैतिक विश्लेषक ने कहा है, "जब दो राजनेता मिलते हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि उनके बीच राजनीति पर कोई चर्चा न हो। दोनों नेताओं के बीच घनिष्ठता पैदा होगी तथा राष्ट्रीय राजनीति पर विचार-विनिमय भी होगा। लेकिन इन मीटिंग में कोई बहुत बड़ी उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि डी.एम.के. का गठबंधन कांग्रेस से है तथा इसलिये इस मुलाकात के बाद भी, कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

यह चीज निश्चित रूप से दिलचस्प है कि स्टालिन ने एक ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित किया है, जो इस समय केन्द्र सरकार तथा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का

कोपभाजन है। वस्तुतः स्टालिन अभी तक न के विरोध में हैं तथा हाल ही में तमिलनाडू के एक विश्वविद्यालय के समारोह में, उन्होंने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में अपना मत पूरी मजबूती रखा था।

हालांकि स्टालिन इस बात को लेकर सजग हैं कि उनकी गिनती टकराववादियों में न हो तथा वे केन्द्र सरकार तथा प्रधानमंत्री के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखते हैं, लेकिन वे किसी अग्रिय बात को चुपचाप सहन करने के आदी नहीं है। हों, जब आर्थिक कामकाज की बात आती है तो उनके वित्त मंत्री पी. त्यागराजन केन्द्र सरकार से टकराने में चूकते नहीं हैं तथा कई मानदंडों पर केन्द्र की अर्थव्यवस्था के ट्रैक-रिकॉर्ड पर सवाल खड़े करते रहते हैं।

सोनिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) चैकअप के लिए दिल्ली से रवाना हुई थीं। उसके बाद वो अपनी बीमार माँ से मिलने आई थीं।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत के सकारात्मक जी.डी.पी. आंकड़ों ने चौंकाया

2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 13.5 प्रतिशत रही

- पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में भारत की विकास दर 20.1 प्रतिशत रही थी।
- अप्रैल-जून तिमाही में भारत को कुल 36.85 लाख करोड़ रु. की आय हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, अनुमान है कि वर्ष 2011-12 कीमतों पर आधारित वास्तविक जीडीपी 2022-23 की पहली तिमाही में 36.85 लाख करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त कर लिया है जो 2021-22 की पहली तिमाही में 32.46 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2021-22 की पहली तिमाही में

जीडीपी वृद्धि दर 20.1 प्रतिशत थी। वर्ष 2022-23 की पहली में वर्तमान कीमतों पर जीडीपी 64.95 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2021-22 में की पहली तिमाही में चालू कीमत पर जीडीपी 51.27 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह यह वर्तमान कीमतों पर जीडीपी में चालू वित्त वर्ष की पहली

तिमाही में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि रही। 2021-22 में चालू कीमत पर जीडीपी में 32.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

एनएसओ के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कृषि क्षेत्र में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि इसी अवधि के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान खनन क्षेत्र में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। श्रम प्रधान क्षेत्रों में माने जाने वाले निर्माण क्षेत्र में जून तिमाही में सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

प्रमुख देशों की कमजोर मांग ने हाल के कुछ महीनों में देश के निर्यात को प्रभावित किया है जबकि मासिक जीएसटी संग्रह, ऑटो विक्री, बिजली की खपत और हवाई यातायात वृद्धि जैसे जल्दी-जल्दी आने वाले आंकड़े घरेलू मांग में मजबूत बनी रहने का संकेत दे रहे हैं।

बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के कुलपति एन आर भानुमती ने इन आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा, पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि 13-15 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान था। कुछ ने इसे 17 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया